an>

Title: The Minister of Home Affairs made a statement on the landslide incident in Pune district of Maharashtra.

गृह मंत्री (श्री राजनाथ सिंह) : अध्यक्ष महोदया, मैं महाराष्ट्र के पुणे ज़िले में हुई दुखद आपदा के संबंध में इस सदन को अत्यंत दुख के साथ सूचित करना चाहता हूँ। महाराष्ट्र राज्य सरकार ने सूचना दी थी कि दिनांक 30 जुलाई को अम्बेगाँव तालुका के अंतर्गत मालिन गाँव में सुबह 8 से 8.30 बजे के बीच भूस्खलन की घटना हुई। लगभग 40 से 50 मकान भूस्खलन के कारण दब गए जिसके मलबे में लगभग 158 लोग फँस गए। राज्य सरकार ने सूचना दी कि कार्यपालक मजिस्ट्रेट के पर्यवेक्षण के अधीन तालुका स्तर की आपदा प्रबंधन टीम को तुरंत वहाँ भेजा गया था। आदिवारे स्थित निकटस्थ सार्वजनिक स्वास्थ्य केन्द्र को मेडिकल सहायता देने के लिए चिह्नित किया गया था। राज्य सरकार द्वारा 30 डम्परों, 20 जेसीबी और 50 एम्बुलेंसों को भेजा गया था। पास के दो नगर निगमों, जन्नेर और आलेदी से लगभग 300 श्रमिकों की सहायता से बचाव कार्य आरंभ किए गए। पिंपरी, चिंचवाड और पुणे के नगर निगमों से तेज़ रोशनी, जिसे फ्लडलाइट कहते हैं, और अन्य उपकरणों की व्यवस्था की गई थी। लगभग 380 कर्मियों के साथ एनडीआरएफ की 09 टीमें सभी ज़रूरी उपकरणों के साथ घटनास्थल पर पहुँच गई। आज सुबह आठ बजे प्राप्त सूचना के अनुसार, अब तक आठ घायल व्यक्तियों को बचाया जा सका है। 51 शव निकाले गए हैं। वर्ष 2011 की जनगणना आँकड़ों के अनुसार, गाँव की जनसंख्या 704 थी, जिसमें 666 अनुसूचित जनजाति और 34 अनुसूचित जाति के हैं।

मुझे राष्ट्रीय आपदा कार्रवाई बल (एनडीआरएफ) से एक रिपोर्ट मिली है कि उन्हें दिनांक 30 जुलाई को सुबह 10.45 पर ज़िला प्रशासन से पहली सूचना मिली। सुबह 11 बजे तक पुणे स्थित पांचवी बटालियन की दो टीमें मालिन गांव के लिए रवाना हो गयी और वे अपराह्न तीन बजे घटना स्थल पर पहुंचीं। दिनांक 30 जुलाई को 5.30 बजे अपराह्न एनडीआरएफ की 05 और टीमें घटना स्थल पर पहुंच गयीं। मैंने 31 जुलाई को इस गांव का दौरा किया। मुझे जिला कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक और एनडीआरएफ के कमांडेंट द्वारा बचाव कार्यों की प्रगति के बारे में अवगत कराया गया। लगातार हो रही वर्षा के कारण बचाव कार्यों में रुकावट आयी है और बचाव कार्य को सावधानीपूर्वक चलाए जाने की आवश्यकता है। क्योंकि बचाने के पश्चात घायलों को आवश्यक चिकित्सा सहायता दी जानी है और मृतकों के शवों का गरिमा और सम्मान के साथ अंतिम संस्कार भी किए जाने की आवश्यकता है। मैंने यह पाया कि राहत एवं बचाव संबंधी अभियान लगातार चलाया जा रहा है।

मैं इस सदन को आश्वस्त करना चाहूंगा कि भारत सरकार तत्काल राहत एवं बचाव कार्यों के लिए अपेक्षित वित्तीय एवं अन्य सभी प्रकार की सहायता प्रदान कर रही है। मैं इस सम्मानित सदन को सूचित करना चाहूंगा कि यह भू-स्खलन ऐसे क्षेत्र में हुआ है, जिसे अभी तक भू-स्खलन के मामले में अत्यधिक संवेदनशील नहीं समझा गया था। भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण द्वारा किए गए वर्गीकरण के अनुसार पश्चिमी घाट अत्यधिक जोखिम वाले जोन अथवा अधिक जोखिम वाले जोन में नहीं आता है। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण इस सम्पूर्ण मामले पर एक वैज्ञानिक करे, ताकि पश्चिमी घाट के क्षेत्रों की आबादी वाले क्षेत्रों में आवश्यक सुधारात्मक एवं प्रशमन उपाय किए जा सकें। ऐसे वैज्ञानिक अध्ययन के बगैर इस भू-स्खलन के विशिष्ट कारणों के संबंध में किसी प्रकार का अनुमान लगाने का जोखिम लेना सही नहीं होगा।

मैं निष्कर्ष स्वरूप यह कहना चाहूंगा कि हम इस त्रासदी के शिकार हुए परिवारों के साथ हैं और राहत एवं बचाव कार्यों में भारत सरकार के सभी मंत्रालयों द्वारा महाराष्ट्र सरकार को अपेक्षित हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी। हमें यह देखना आवश्यक है कि इस आपदा के अनुभव से उपयुक्त सबक प्राप्त करें, ताकि हम इस दिशा में उचित सुधारात्मक उपाय कर सकें।...(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे (गुलबर्गा) : महोदया, मैं इस पर एक क्लैरीफिकेशन चाहता हूं।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : इस पर चर्चा नहीं होती है। मंत्री जी ने इतनी विस्तृत जानकारी दी है।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : अगर आप चर्चा चाहते हैं तो नोटिस दीजिए। मगर इस तरह से प्रश्न-उत्तर नहीं होते हैं।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : ऐसा नहीं होता है।

आइटम नम्बर-11, श्री अरुण जेटली जी।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप चर्चा चाहते हैं तो नोटिस दीजिए।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : मिनीस्टर की स्टेटमेंट पर चर्चा नहीं होती है।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप लोग नयी-नयी बातें मत कीजिए।

श्री अरुण जेटली। â€¦(व्यवधान)